SHRI SARBESWAR BASUMATARY

Shri Sarbeswar Basumatary is a distinguished farmer currently serving as the member of Advisory Board of Fishery Department of Chirang District, Assam. He is also member of Krishi Vigyan Kendra and Sericulture of Chirang District. Since 2017, he is working as promoter in Bordosila Farmer Producer Company Limited.

2. Born on 8th April, 1962 Shri Basumatary received education upto 5th Standard at Bagidwara L.P. School. At 13 years of age, he went to Bokakhat, Dhansrimukh and worked as a ploughman. In 1984, he came back to Chiponsila and started cultivation. Later, he shifted to Bhutiapara, and began to cultivate land belonging to landlords.

3. Shri Basumatary bought a piece of land in 1995-96. In 1996, a training on agriculture was performed at Bijni Sub-Divisional Agriculture Office. With their suggestions & guidance, Shri Basumatary as a President of Panbari Banana Growers' Society, implemented many schemes and grew Banana, Orange and Pineapple with a satisfactory production. Fishery training was performed in 2007. He visited Andhra Pradesh, Odisha and West Bengal and abroad. He got a training on Horticulture from Kalyani University, Kolkata.

4. Shri Basumatary is the recipient of numerous awards and honours. He got Award of Excellence in Sericulture by Central Silk Board, Bengaluru, Ministry of Textiles, Govt. of India in 2015, Assam Gaurav by Governor of Assam in 2022-23 and Best Farmer Award by Assam Agriculture University in 2022. He also got awards by the Fishery Department of Bodoland Territorial Council, Kokrajhar in 2005; by the Director of Agriculture, Kokrajhar of BTC in 2010; by the Deputy Director of Agriculture Marketing, Guwahati Khanapara of Government of Assam in 2010; by the Deputy Commissioner, Chirang, Kajalgaon, Government of Assam, Department of Agriculture in 2010-11; Department of Agriculture & Director of Horticulture in 2013; by Indian Institute of Horticulture, Bangalore in 2013; by Assam Agriculture University, Guwahati in 2015; participation certificate by NIAM, Jaipur, Rajasthan in 2017; by the Government of Assam; Best Farmer Award in 2021 on the occasion of Azadi Ka Amrit Mahatsav-2021; Best Farmer Award by Income Tax Department of North East on the occasion of Azadi Ka Amrit Mahatsav-2022; by IOC Ltd. Bongaigaon Refinery - Best Farmer Award in 2024; Best Farmer Award by Bijni District UPPL in 2024.

श्री सर्बेश्वर बसुमतारी

श्री सर्बेश्वर बसुमतारी एक सम्मानित किसान हैं। वर्तमान में वह असम के चिरांग जिले के मत्स्य विभाग की परामर्शदात्री परिषद के सदस्य हैं। वह कृषि विज्ञान केंद्र और चिरांग जिले के रेशम उत्पादन केंद्र के भी सदस्य हैं। 2017 से, वह बोरदोसिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड में प्रमोटर हैं।

2. श्री बसुमतारी का जन्म 8 अप्रैल, 1962 को हुआ। उन्होंने बागीद्वारा एल.पी. स्कूल से पांचवीं कक्षा तक की शिक्षा प्राप्त की। 13 वर्ष की आयु में, वह बोकाखट, धनश्रीमुख गए और हलवाहे का कार्य करने लगे। 1984 में वह चिपोन्सिला वापस आ गए और खेती करने लगे। बाद में, वह भूटियापाड़ा चले गए और जमींदारों की जमीन पर खेती करने लगे।

3. श्री बसुमतारी ने 1995–96 में एक भूखंड खरीदा। 1996 में बीजनी अनुमंडल कृषि कार्यालय में कृषि संबंधी एक प्रशिक्षण लिया। उनके सुझावों और मार्गदर्शन के साथ, श्री बसुमतारी ने पनबारी केला उत्पादक सोसाइटी के अध्यक्ष के रूप में, कई योजनाएं लागू की और केला, नारंगी और अनानास का पर्याप्त उत्पादन किया। उन्होंने वर्ष 2007 में मात्स्यिकी का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल तथा विदेशों का दौरा किया। उन्होंने कल्याणी विश्वविद्यालय, कोलकाता से बागवानी का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

4. श्री बसुमतारी को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्हें केंद्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलुरु, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में रेशम उत्पादन में उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया। असम के राज्यपाल द्वारा वर्ष 2022–23 में असम गौरव पुरस्कार और असम कृषि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2022 में सर्वश्रेष्ठ किसान पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद, कोकराझार के मत्स्य विभाग द्वारा 2005 में; बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद के कृषि निदेशक, कोकराझार द्वारा 2010 में; उप निदेशक, कृषि विपणन, गुवाहाटी खानापारा, असम सरकार द्वारा 2010 में; उपायुक्त, चिरांग, काजलगांव, असम सरकार, कृषि विभाग द्वारा 2010–11 में; कृषि विभाग और बागवानी निदेशक द्वारा 2013 में; भारतीय बागवानी संस्थान, बैंगलोर द्वारा 2013 में; असम कृषि विश्वविद्यालय, गुवाहाटी द्वारा 2015 में; 2017 में एनआईएएम, जयपुर, राजस्थान द्वारा भागीदारी प्रमाण पत्र; आजादी का अमृत महोत्सव–2021 के अवसर पर असम सरकार द्वारा 2021 में श्रेष्ठ कृषक पुरस्कार; आजादी का अमृत महोत्सव–2022 के अवसर पर पूर्वोत्तर क्षेत्र के आयकर विभाग द्वारा श्रेष्ठ कृषक पुरस्कार; आईओसी लिमिटेड, बोंगाईगांव रिफाइनरी द्वारा 2024 में श्रेष्ठ कृषक पुरस्कार; 2024 में बीजनी जिला यूपीपीएल द्वारा भी श्रेष्ठ कृषक पुरस्कार प्रदान किया गया।